"मैं इस पर विश्वास नहीं करता कि, अगर दलगत राजनीति बदल भी जाए तो वह उस शैतानी तंत्र को ख़त्म कर सकती है जिसका वह खुद एक हिस्सा है।... मैं अहिंसा में यकीन करता हूँ। लेकिन समस्या यह है कि हमारी सत्ता हिंसा में, बल प्रयोग में, नापाम बमों में, पुलिसिया ज़बर्दस्ती, हवाई बमबारी में, बी-52 और बी-58 जैसे बमवर्षक विमानों में, नाभिकीय हथियारों में और युद्धों में विश्वास करती है। जब तक यह सत्ता-प्रतिष्ठान निर्धारक कारक बना रहेगा, हमारी इस उम्मीद का असलियत में कोई आधार नहीं है कि आने वाली क्रान्ति अहिंसक होगी।"

- लीनस पॉलिंग

(पहले विज्ञान और फिर शान्ति के लिए नोबेल पुरस्कार जीतने वाले मानवतावादी और प्रसिद्ध वैज्ञानिक)

"तुम नए महासागरों की खोज तब तब नहीं कर सकते जब तक तुममें किनारे को नज़रों से ओझल करने का साहस नहीं हो।"

— अज्ञात

भगत सिंह ने कहा...

"लोगों को परस्पर लड़ने से रोकने के लिए वर्ग चेतना की ज़रूरत है। ग़रीब मेहनतकश व किसानों को स्पष्ट समझा देना चाहिए कि तुम्हारे असली दुश्मन — पूँजीपति हैं, इसलिए तुम्हें इनके हथकण्डों से बचकर रहना चाहिए और इनके हत्थे चढ़ कुछ न करना चाहिए। संसार के सभी ग़रीबों के, चाहे वे किसी भी जाति, रंग, धर्म या राष्ट्र के हों, अधिकार एक ही हैं। तुम्हारी भलाई इसी में है कि तुम धर्म, रंग, नस्ल और राष्ट्रीयता व देश के भेदभाव मिटाकर एकजुट हो जाओ और सरकार की ताक़त अपने हाथ में लेने का यत्न करो। इन यत्नों में तुम्हारा नुकसान कुछ नहीं होगा, इससे किसी दिन तुम्हारी ज़ंजीरें कट जाएँगी और तुम्हें आर्थिक स्वतन्त्रता मिलेगी।"

"केवल उन किताबों को प्यार करो जो ज्ञान का स्रोत हों, क्योंकि सिर्फ़ ज्ञान ही वन्दनीय होता है; ज्ञान ही तुम्हें आत्मिक रूप से मज़बूत, ईमानदार और बुद्धिमान, मनुष्य से सच्चा प्रेम करने लायक, मानवीय श्रम के प्रति आदरभाव सिखाने वाला और मनुष्य के अथक एवं कठोर परिश्रम से बनी भव्य कृतियों को सराहने लायक बना सकता है।"

- मक्सिम गोर्की